10 हजार फुट की ऊंचाई पर रेल दौड़ाने की तैयारी है हिमाचल प्रदेश के तवांग में। शुक्रवार को यहां नार्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने अपने कैंप कार्यालय और रेस्ट हाउस की आधारशिला रखी। बता दें कि सामरिक तौर पर महत्वपूर्ण तवांग पर चीन दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 9 नवंबर 2019

भ्रम दूर ▶ फिर सामने आया पाकिस्तान सरकार और सेना के बीच का विवाद, बाद में विदेश मंत्रालय ने संभाली बात

करतारपुर तीर्थयात्रियों को दिखाना होगा पासपोर्ट

नौ और 12 नवंबर को नहीं ली जाएगी यात्रियों से फीस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कुछ घंटों बाद करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन होने वाला है। भारतीय तीर्थयात्रियों का पहला जत्था इस कॉरिडोर से पहली बार बिना वीजा गुरुद्वारा करतारपुर साहब जाने वाला है, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से अभी भी भ्रम फैलाने का काम जारी है। करतारपुर कॉरिडोर से जाने वाले तीर्थयात्रियों से 20 डॉलर की फीस ली जाए या नहीं इसको लेकर पाकिस्तानी सेना और इमरान खान सरकार के बीच भी विवाद भी खुलकर सामने आ गया है। बहरहाल, तीर्थयात्रियों के लिए पहचान पत्र के तौर पर पासपोर्ट अनिवार्य होगा। उधर, भारत की तरफ से कॉरिडोर से जुड़ी सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को डेरा बाबा नानक, गुरुदासपुर में निर्मित चेक पोस्ट का उद्घाटन करेंगे।

शुक्रवार सुबह पाकिस्तान की तरफ से भारत सरकार को सूचना दी गई कि नौ नवंबर को पहले जत्थे को भी 20 डॉलर की फीस देनी होगी। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने पहले जत्थे में जाने वाले लोगों को इसकी जानकारी भी देनी शुरू कर दी। लेकिन दोपहर में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. मोहम्मद फैजल ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री इमरान खान ने यह एलान किया हुआ है कि नौ और 12 नवंबर, 2019 को 20 डॉलर का सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा। प्रधानमंत्री की इस घोषणा का आदर करते हुए पाकिस्तान इन दो दिनों के लिए कोई फीस नहीं लेगा।' अभी स्थिति स्पष्ट हुई ही थी कि डॉ. फैजल का एक दूसरा ट्वीट आ गया जिससे हालात फिर उलझ गए। इस बार उन्होंने लिखा, 'बाबा गुरु नानक की 550वें जन्मदिवस पर प्रधानमंत्री इमरान खान ने पासपोर्ट और अग्रिम 10 दिन पहले पंजीयन कराने से छूट देने का एलान किया था। दुर्भाग्य से भारत ने इन सुविधाओं को लेने से इन्कार कर दिया है।'

इस तरह पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के उक्त बयान का मतलब यह निकाला जा रहा है कि नौ और 12 नवंबर को करतारपुर जाने वाले तीर्थयात्रियों से 20 डॉलर की फीस तो नहीं ली जाएगी, लेकिन पहचान पत्र के तौर पर पासपोर्ट ले जाने की बाध्यता रहेगी। साथ ही यात्रा से कम से कम 10 दिन पहले पंजीयन कराने की व्यवस्था भी जारी रहेगी। यानी नौ नवंबर, 2019 को पहले जत्थे में किसी बाहरी व्यक्ति को शामिल नहीं किया जा सकेगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान लगातार करतारपुर कॉरिडोर को लेकर हुए द्विपक्षीय समझौते में अपने आप बदलाव करने की कोशिश में है। जो घोषणाएं अभी हो रही हैं उसका प्रस्ताव पहले कभी नहीं भेजा गया और अब ट्वीट के जरिये उसमें बदलाव की घोषणा की जा रही है। दूसरी तरफ भारत लगातार यह कह रहा है कि जो समझौता हुआ है उसका पालन होना चाहिए। अगर कोई बदलाव होना है तो वह आपसी समझबूझ से होना चाहिए। अभी तक पाकिस्तान की तरफ से यह भी नहीं बताया गया है कि पहले जत्थे में शामिल लोगों के नामों को स्वीकृति दी गई है या नहीं। हम मानकर चल रहे हैं कि कोई सूचना नहीं देने का मतलब है कि सभी नामों को स्वीकृति मिल गई है। हम पाकिस्तान से फिर आग्रह करेंगे कि वह 20 डॉलर की फीस संबंधी प्रावधान को हमेशा के लिए खत्म करे क्योंकि इससे कई तीर्थयात्रियों को काफी समस्या होगी। साथ ही यह 'खुले दर्शन दीदार' परंपरा का भी उल्लंघन होगा।

72 साल की अरदास के बाद शनिवार को खुलने जा रहे करतारपुर कॉरिडोर के जरिये पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं का सैलाब भारत-पाक सीमा के नजदीक डेरा बाबा नानक में उमड़ना शुरू हो गया है। शुक्रवार को डेरा बाबा नानक पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। यह खुशी इस पार तो है उस पार (पाकिस्तान) भी है। हर कोई दर्शन दीदार के लिए बेताब है। महिंदर सिंह अर्लीभन्न

कॉरिडोर खुलवाने में सिद्धू की कोई भूमिका नहीं : बादल

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- प्रधानमंत्री मोदी और संगत की अरदासों को जाता है सारा श्रेय
- कहा-कॉरिडोर को लेकर जो श्रेय लेने की लड़ाई शुरू हुई है, वह गलत है

पंजाब के शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने कहा कि गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के लिए कॉरिडोर खुलवाने में विधायक नवजोत सिंह सिद्धू का कोई योगदान नहीं है। इस रास्ते का सारा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संगत की अरदासों को जाता है। अगर प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे को लेकर गंभीर न होते तो पाकिस्तान के चाहने के बावजूद भी रास्ता खुल नहीं सकता था। बादल शनिवार को करतारपुर साहिब जाने से पहले श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब पर अरदास भी की।

बादल ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर को लेकर जो श्रेय लेने की लड़ाई शुरू हुई है, वह गलत है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, बल्कि इस ऐतिहासिक दिन को गुरु साहिब की शिक्षाओं के अनुसार आपस में मिल कर मनाना चाहिए।

श्री हरिमंदिर साहिब में महिलाओं के कीर्तन पर श्री अकाल तख्त साहिब ही लेगा फैसला : सरकार की तरफ से श्री हरिमंदिर साहिब में महिलाओं को कीर्तन करने की इजाजत देने के लिए विधान सभा में प्रस्ताव पास करने के मामले में बादल ने कहा कि यह धार्मिक मुद्दा है। सरकार की इसमें कोई भी भूमिका नहीं होनी चाहिए। इसके लिए जो भी फैसला करना है, वह श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से ही किया जाना है।

प्रकाश पर्व पर एसजीपीसी की स्टेज ही मुख्य होनी चाहिए : सुलतानपुर लोधी में एसजीपीसी और सरकार की ओर से प्रकाश पर्व को लेकर लगाई गई अलग-अलग स्टेजों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि एसजीपीसी की ही स्टेज मुख्य स्टेज होनी चाहिए। सरकार को अलग स्टेज नहीं लगानी चाहिए। एसजीपीसी सिखों की मुख्य धार्मिक संस्था है। इसलिए सरकार को भी एसजीपीसी की स्टेज पर ही अपने कार्यक्रम करने चाहिए।

सरना को पाक जाने से रुकवाने में मेरी भूमिका नहीं

बादल ने कहा कि अकाली दल दिल्ली के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना को नगर कीर्तन के साथ पाकिस्तान जाने से रुकवाने में उनकी कोई भी भूमिका नहीं है। वह किसी को पाकिस्तान जाने से रुकवा नहीं सकते। यह भारत सरकार का फैसला था।

हर घर की यही चाह, उनके यहां हो डेरा बाबा नानक के लोगों की संगत की राह

महिंदर सिंह अर्लीभन्न, डेरा बाबा नानक

- बाबा नानक की संगत की सेवा का मौका जीवन में नहीं मिलेगा दोबारा
- लोगों ने घरों में ठहराई संगत, सेवा में नहीं छोड़ रहे कोई कसर

550वें प्रकाश पर्व के ऐतिहासिक अवसर पर सुल्तानपुर लोधी और डेरा बाबा नानक के लोग संगत की सेवा सौभाग्य किसी कीमत पर खोना नहीं चाहते हैं। संगत की सेवा का ऐसा अवसर उन्हें जीवन में दूसरी बार नहीं मिलेगा, इसलिए इस महान पर्व पर लोगों ने संगत के लिए अपने घरों के दरवाजे खुले रखे हैं। घर में ठहराकर संगत की दिल से सेवा की जा रही है। उन्हें गुरुद्वारा साहिब लेकर जाने और वापस लाने तक की व्यवस्था कर रखी है। लोगों का कहना है कि बाबा नानक ने भी यह सीख दी थी कि संगत की सेवा पुण्य का काम है। हालांकि सरकार और एसजीपीसी ने भी संगत के लिए प्रबंध किए हैं लेकिन यह प्रबंध काफी नहीं हैं।

सरकार की ओर से बनाई गई तीन टेंट सिटी में 35 हजार लोग रह सकते हैं जबकि सुल्तानपुर लोधी में 15 से 16 लाख तक संगत के पहुंचने का अनुमान है। डेरा बाबा नानक में भी सरकार ने साढ़े तीन हजार लोगों के लिए टेंट सिटी बनाई थी, लेकिन बारिश ने पूरे प्रबंधों पर पानी फेर दिया है।

कपूरथला के गांव सराए जट्टा के पूर्व सरपंच चरनजीत सिंह ढिल्लों का कहना है कि बाबा नानक ने उन्हें संगत की सेवा की कृपा बख्शी है। उन्होंने घर पर 50 लोगों की व्यवस्था की है। फिलहाल 12 श्रद्धालु घर पर रुके हैं। गांव आहली के गुरजंट सिंह आहली ने भी संगत को घर में ठहराया है। उन्होंने संगत को गुरुद्वारा बेर साहिब ले जाने और वापस लाने के लिए दो गाड़ियां भी लगा रखी हैं। पीएस सिद्धू ने अपने पैलेस में 500 से 600 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था कर रखी है। पैलेस में संगत का आना शुरू हो गया है।

कहीं नहीं देखा संगत की सेवा का ऐसा भाव : श्री गंगानगर से आए सौदागर सिंह बताते हैं कि वह पहली बार बाबा नानक की नगरी में आए हैं। यहां के लोगों ने बहुत ज्यादा प्यार दिया है और सेवा की है। उत्तराखंड से आई बीबी सुरिंदर कौर कहती हैं कि सालों के इंतजार के बाद सुल्तानपुर लोधी के दर्शन का अवसर मिला है। वह परिवार के साथ आई हैं। संगत की सेवा का ऐसा भाव उन्होंने पहले कहीं नहीं देखा है।

बाबा नानक ने धोया सरकार का वीआइपी कार्यक्रम

डेरा बाबा नानक के गांव जौड़ियां खुद के हरपाल सिंह का कहना है कि प्रशासन और सरकार ने कार्यक्रम को वीआइपी बनाने की कोशिश की। बाबा नानक हमेशा सादगी में विश्वास रखते थे। गुरु जी ने बारिश करवाकर संगत को लोगों के घरों में भेजकर उन्हें सेवा का मौका दिया।

सुल्तानपुर लोधी से जोड़े बिना अधूरा है करतारपुर कॉरिडोर

हरनेक सिंह जैनपुरी, कपूरथला

पाकिस्तान स्थित श्री करतारपुर साहिब के खुले दर्शनों के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कॉरिडोर का द्वार खोल देंगे लेकिन इस कॉरिडोर का मकसद तब तक अधूरा है जब तक इसे बाबा नानक के जप स्थल सुल्तानपुर लोधी से नहीं जोड़ा जाता। गुरु जी करीब 18 साल तक सुल्तानपुर लोधी में रहे। इस दौरान उन्होंने 14 साल 9 महीने 13 दिन यहां बेर साहिब में जाप किया। यहीं के संत घाट में मूलमंत्र का उच्चारण कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बुनियाद डाली। यही पर 'तेरा तेरा' तोल कर गरीबों की झोलियां भरी और 'सब कुछ परमात्मा का है' समझाया। यही से विश्व कल्याण के लिए उदासियों की शुरुआत की। इसके बाद इस पवित्र धरती से पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब चले गए और वहां जाकर अपने हाथों से किरत करते हुए खेतों में हल चलाया और दुनिया को किरत करने, नाम जपने और वंड छकने का संदेश दिया।

पाकिस्तान के ननकाना साहिब के बाद भारत में अगर गुरु नानक देव जी से संबंधित कोई प्रमुख स्थान है तो वह सुल्तानपुर लोधी ही है, लेकिन इसके ऐतिहासिक महत्व को उतना मान-सम्मान नहीं दिया गया।

उतनी तवज्जो नहीं दी गई जितने का वह हकदार है। 550वें प्रकाश पर्व पर पाकिस्तान और भारत सरकार संगत की दशकों पुरानी अरदास को देखते हुए कॉरिडोर तो खोल रही है, लेकिन सुल्तानपुर लोधी से डेरा बाबा नानक तक एक फोर अथवा सिक्सलेन सड़क की बड़ी जरूरत है। लगभग 90-95 किलोमीटर की सड़क बना जब तक इन्हें जोड़ा नहीं जाता तब तक कॉरिडोर का सपना अधूरा माना जा रहा है।

इस संबंध में एसजीपीसी की पूर्व प्रधान बीबी जागीर कौर का कहना है कि पंजाब सरकार करतारपुर कॉरिडोर को लेकर दावे तो कर रही है लेकिन कभी सुल्तानपुर लोधी के धार्मिक महत्व को नहीं समझा गया। एसजीपीसी के सदस्य स्वर्ण सिंह कुलार व कमेटी मेंबर जरनैल सिंह डोगरावाल का मानना है कि करतारपुर कॉरिडोर के साथ ही सुल्तानपुर लोधी व डोरा बाबा नानक के लिए सिक्सलेन सड़क का निर्माण होना चाहिए था।

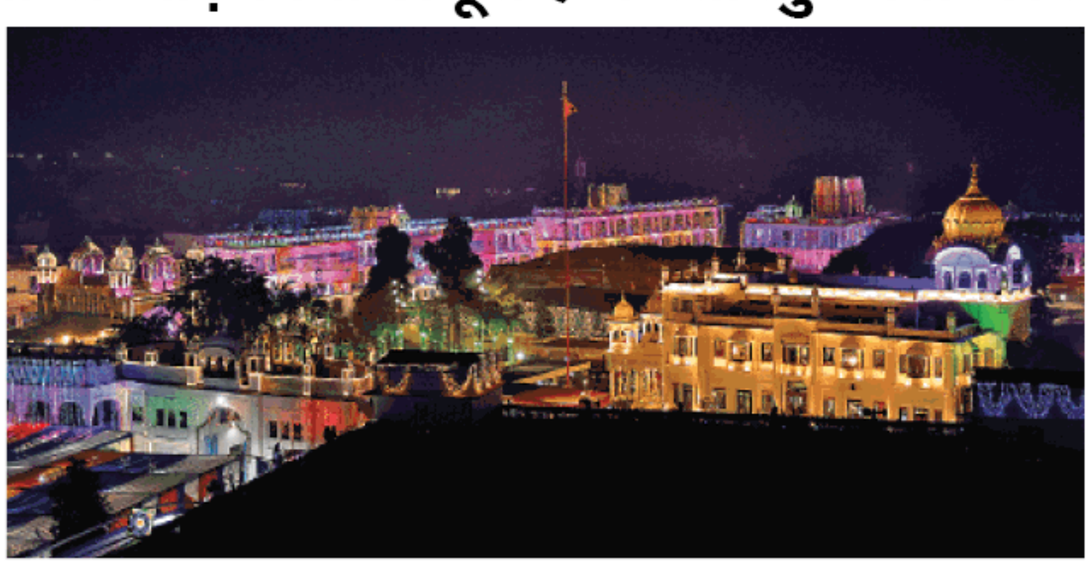

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में पंजाब के सुल्तानपुर लोधी के मुख्य गुरुद्वारा श्री बेर साहिब में भव्य सजावट की गई है। शुक्रवार को लाइट से जगमगाता गुरुद्वारा श्री बेर साहिब। पवन यादव

जिहाद का जहर खत्म करेंगे इस्लामिक विद्वान और उलेमा

नवीन नवाज, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया पर पाबंदी का असर

अधिकारियों के अनुसार वादी में पांच अगस्त के बाद से अगर स्थानीय युवकों की आतंकी संगठनों में भर्ती के मामले कम हुए हैं या आतंकी वारदातों में कमी आई है तो उसमें सोशल मीडिया पर पाबंदी का बड़ा योगदान है।

सुरक्षा एजेंसियों ने जिहादी संगठनों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को अब उनके हथियार से मात देने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जाएगा। विभिन्न इस्लामिक विद्वानों, उलेमाओं के वीडियो और भाषण मुस्लिम जिहादी संगठनों की पोल खोलेंगे। ये लोग भटके युवाओं में भरे जिहादी जहर को खत्म करने का काम करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने पाक कुरान की रोशनी में मानव कल्याण, शांति, राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों पर वीडियो, भाषण के प्रचार प्रसार का फैसला किया है। यह उलेमा कुरान की व्याख्या करते हुए बताएंगे कि जिहादी तत्व जिस जिहाद की बात करते हैं, उसका रास्ता सही नहीं है। वीडियो में जिहादी संगठनों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों, इस्लाम की रोशनी में गैर इस्लामिक भी साबित करेंगे। योजना के तहत न सिर्फ कश्मीर में बल्कि घाटी से बाहर के कई नामी इस्लामिक विद्वानों और उलेमाओं की भी मदद ली जाएगी। सभी को इंटरनेट पर यू ट्यूब, पोडकास्ट, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम समेत विभिन्न सोशल साइटों के इस्तेमाल की जानकारी देते हुए उन्हें बताया जाएगा कि वे कैसे अपनी बात को इन माध्यमों के जरिए दुनिया तक पहुंचा सकते हैं। यह उलेमा उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी और पश्तो के अलावा अंग्रेजी भी अपने व्याख्यान तैयार कर सोशल मीडिया पर अपलोड करेंगे। अत्याचारों की वीडियो फुटेज के साथ ही कुरान में कत्लोगारत के खिलाफ दिए संदेश यू-ट्यूब पर चलाए जाएंगे। यह उलेमा जिहादी संगठनों द्वारा विभिन्न विषयों पर जारी भाषणों, वीडियो का अध्ययन करते हुए उन्हें गलत साबित करने के लिए पाक कुरान की रोशनी में संबंधित मुद्दों पर विस्तार से जानकारी देने वाले अपने वीडियो जारी करेंगे।

दो पाक चौकियां तबाह, चार सैनिक भी मारे

जेएनएन, जम्मू

- गोलाबारी की आड़ में की थी घुसपैठ की कोशिश, जवान शहीद
- खराब मौसम की आड़ में गुरुवार रात ढाई बजे शुरू हुई थी गोलाबारी

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। खराब मौसम की आड़ में पाकिस्तानी सेना ने सीमा पर घुसपैठ करवाने की बड़ी साजिश रची, लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी। पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में गुरुवार मध्यरात्रि के बाद पाकिस्तानी सेना ने गोलाबारी की आड़ में आतंकियों के दल को सीमा पर भेजा, लेकिन भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई कर घुसपैठियों को वापस भागने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान भारतीय सेना का एक जवान भी शहीद हो गया। इसके बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाक सेना की दो चौकियों को नष्ट कर उसके चार सैनिकों को मार गिराया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब ढाई बजे बर्फबारी और धुंध की आड़ में पाक सेना ने कृष्णा घाटी सेक्टर में संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए भारतीय सेना की अग्रिम चौकी नागी टेकरी और डाकू पोस्ट पर गोलाबारी शुरू कर दी। इसके साथ ही इन दोनों चौकियों के नजदीक नाले से आतंकियों की घुसपैठ कराने की भी कोशिश की। पाक सेना ने भारतीय सेना का ध्यान भटकाने के लिए रिहायशी क्षेत्रों में मोर्टार दागने शुरू कर दिए। लेकिन सीमा पर सतर्क जवानों ने पाकिस्तान की नापाक साजिश को भांप लिया और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। कुछ ही देर में आतंकियों के पांव उखड़ गए और वे जान बचाने के लिए वापस भागे। इसी दौरान गोली लगने से भारतीय सेना का जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत सैन्य अस्पताल पुंछ पहुंचाया, जहां वह शहीद हो गए। शहीद जवान की पहचान 21 वर्षीय राहुल भैरू सुलगेकर निवासी कर्नाटक के रूप में हुई है।

भारत ने की जवाबी कार्रवाई : इसके बाद भारतीय सेना ने कड़ी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाक सेना की दो चौकियां पूरी तरह नष्ट कर दिया और चार सैनिक मार गिराए।

राहुल भैरू सुलगेकर की फाइल फोटो। एएनआइ

ग्रेनेड हमले में एक और घायल की मौत

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : श्री महाराजा हरि सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल में उपचाराधीन एक घायल की शुक्रवार को मृत्यु होने के साथ ही हरि सिंह हाई स्ट्रीट ग्रेनेड हमले में मरने वालों की संख्या दो हो गई है। बंद के फरमान की नाफरमानी से हताश आतंकियों ने गत सोमवार को हरि सिंह हाई स्ट्रीट में खुली दुकानों में भीड़ पर ग्रेनेड फेंका था। इस हमले में उत्तर प्रदेश के एक खिलौना विक्रेता रिंकू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 38 लोग घायल हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल चार की हालत गंभीर थी। इनमें से एक फैयाज अहमद खान ने शुक्रवार की सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। वह हजरतबल इलाके का रहने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश घायलों को सोमवार और मंगलवार को ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। फिलहाल, नौ लोग अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

गूगल प्ले स्टोर पर चल रहा खालिस्तान का एजेंडा

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय इंटरनेट यूजरों ने गूगल प्ले स्टोर पर कथित 'खालिस्तान' के लिए भारत विरोधी दुष्प्रचार और उग्रवाद को बढ़ावा देने पर गूगल की कड़ी आलोचना की है। साथ ही कट्टरपंथ और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले '2020 सिख रेफरेंडम एप' को गूगल से हटाने की मांग की है।

दरअसल अमेरिका में सिखों के पाकिस्तान समर्थित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) गूगल के प्ले स्टोर को अपना नया मंच बना लिया है। ताकि वह पंजाब को खालिस्तान नाम का अलग देश बनाने का अपना एजेंडा चला सके। '2020 सिख रेफरेंडम' नाम का यह मोबाइल एप 7.54 एमबी का है। इसे रोमानिया की आइसीईटेक वेब डिजाइनिंग कंपनी ने बनाया है। यह एप खालिस्तान के लिए पंजाब के लोगों को अपना वोट देने के लिए उकसाता है। फिलहाल गूगल प्ले स्टोर पर यह एप 1000 डाउनलोड के साथ सूचीबद्ध है। यह एप डाउनलोड करने के दौरान 3.001 वर्जन का एप कैमरा, लोकेशन, सीडी कार्ड के स्टोरेज और उसमें बदलाव और उसे डिलीट करने की मंजूरी मांगता है। इसके साथ ही वह एप पूरे नेटवर्क पर कब्जा कर लेता है और वाइफाइ कनेक्शन को भी प्रभावित करता है। इससे भारत या विदेश में रहे रहे यूजर की सभी जानकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। एप डाउनलोड करने के बाद फोन में कई अतिरिक्त क्षमताएं आ जाती हैं। इस एप को इसी साल 14 फरवरी को जारी किया गया था। इसकी रेटिंग गूगल प्ले स्टोर पर 1.0 दिखाई गई है।

इस एप पर जा चुकी स्नेह्य गुप्ता ने बताया कि एप जितने भी एक्सेस मांगता है, वह गैर जरूरी और खतरनाक हैं। एक अन्य एप यूजर ने बताया कि किसी पाकिस्तानी ने यह सस्ता एप बनाया है, ताकि वह भारत के खिलाफ अपना नफरत का पैगाम सबको भेज सके। अगर किसी को इसका सुबूत चाहिए तो सर्विस प्रोवाइडर का नाम जैजिलमोबी लिंक है। यह पाकिस्तान का मोबाइल नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर है। आखिर गूगल अपने मंच पर ऐसे कट्टरपंथी विचारों को कैसे चलने दे सकता है।

> 'करतारपुर कॉरिडोर के शुभारंभ से पहले एप लांच करना आइएसआइ की साजिश है।'
>
> -कैप्टन अमरिंदर सिंह, मुख्यमंत्री पंजाब

कश्मीर का हाल

दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद व कोलकाता से पैकेज टूर के प्रस्ताव के साथ अग्रिम बुकिंग शुरू

सैलानियों के लिए नया पैगाम लेकर आई बर्फबारी

नवीन नवाज, श्रीनगर

इस बार बन सकता है रिकॉर्ड

इंडिया प्राइड टूर एंड ट्रैवल के संचालक रमण शर्मा ने कहा कि मैंने तीन माह के दौरान कश्मीर में सिर्फ एक पैकेज टूर किया, लेकिन सुबह से दोपहर तक मैंने पुणे, कोलकाता और इंदौर से करीब आठ टूर ऑपरेटरों से कश्मीर के लिए टूर बुक किए हैं। प्रत्येक पैकेज टूर में 30 से 50 तक के पर्यटक आ रहे हैं। कोई भी पैकेज एक सप्ताह से कम नहीं है। अगर मेरे जरिए डेढ़ से दो हजार पर्यटक कश्मीर में सैर के लिए अगले 20 दिनों में आ रहे हैं तो फिर अन्य ट्रैवल एजेंसियों के जरिए भी तो आ रहे होंगे। अगर ऐसा हुआ तो यह सात आठ वर्षों में कश्मीर में रिकॉर्ड हो सकता है।

पर्यटन विभाग कराएगा कई आयोजन

कश्मीर पर्यटन विभाग में अधिकारी शहनवाज ने कहा कि इस बार नवंबर में हिमपात एक तरह से मंदी की मार के शिकार कश्मीर के पर्यटन के लिए बूस्टर है। हम गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम और श्रीनगर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने जा रहे हैं। स्नो स्लेजिंग, स्नो हार्सराइडिंग, स्नो गोल्फ, स्नो रग्बी की प्रतियोगिताएं गुलमर्ग, सोनमर्ग में आयोजित किए जाने कार्यक्रम है। इनमें हम पर्यटकों को भी पूरा मौका देंगे।

नए कश्मीर में चारों तरफ बर्फ की सफेद चादर बिछी है। हालात खुशनुमा हैं। सामान्य जिंदगी की रफ्तार ठंडी पड़ गई है, लेकिन पर्यटन जगत में गर्मी आ गई है। पिछले 24 घंटों में कश्मीर में कई होटल मालिकों, टूर ऑपरेटरों के पास दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता से पैकेज टूर के प्रस्ताव के साथ अग्रिम बुकिंग का संदेशे आए हैं।

नवंबर में कश्मीर में ऑफ सीजन माना जाता है। दिसंबर में पर्यटकों की आमद जोर पकड़ती है। कश्मीर के सभी निचले क्षेत्रों में गत गुरुवार को मौसम का पहला हिमपात हुआ। पर्यटनस्थल गुलमर्ग, युसमर्ग, सोनमर्ग, खिलनमर्ग, पहलगाम और मुगल रोड में सात-आठ इंच ताजा हिमपात हुआ है। श्रीनगर में तीन से पांच इंच बर्फ गिरी। पर्यटन जगत से जुड़े लोग फूले नहीं समा रहे। उनका कहना है कि अगले एक दो माह तक चार से पांच बार हल्का हिमपात और हो जाए तो पूरी वादी पर्यटकों से गुलजार हो जाएगी।

होटल एंड टूरिस्ट ऑपरेटर एसोसिएशन के प्रधान फिरदौस अहमद ने कहा कि कल गिरी बर्फ से पहाड़ों पर काफी दिनों तक टिकेगी। अगले सप्ताह की बुकिंग के लिए मुंबई और कोलकाता से फोन आए हैं। डल झील में हाउसबोट के मालिक एजाज कौत्रू ने कहा कि मैंने तीन माह में सिर्फ चंद मलेशियाई पर्यटकों को देखा है। मुझे लगता है कि खुदा ने हम लोगों की हालत देख इस बार यहां बर्फबारी जल्दी करा दी है। नवंबर की शुरुआत में श्रीनगर समेत घाटी के प्रमुख शहरों में हिमपात कभी कभार ही होता है। गुलमर्ग, सोनमर्ग जैसी जगहों पर हिमपात कई बार अक्टूबर में हो जाता था। मंगलवार रात को गुलमर्ग में जब बर्फ गिरने की खबर सुनी थी तो सोच रहा था कि श्रीनगर में भी जल्द बर्फ गिरे ताकि पर्यटक यहां बर्फ देखने आएं।

हम एफडी धारकों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील : डीएचएफएल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पीके गुप्ता के घर व दफ्तर में ईओडब्ल्यू का छापा

आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भविष्य निधि घोटाले में पावर कॉरपोरेशन पूर्व निदेशक एपी मिश्र व पूर्व निदेशक (वित्त) सुधांशु द्विवेदी के घरों के बाद शुक्रवार को आगरा स्थित तत्कालीन सचिव ट्रस्ट पीके गुप्ता के घर में लंबी छानबीन की। ईओडब्ल्यू ने पीके गुप्ता का मोबाइल व कुछ दस्तावेज कब्जे में लेने के साथ ही उनके कार्यालय से एक डायरी भी जब्त की है। ईओडब्ल्यू ने आरोपित एपी मिश्र व सुधांशु द्विवेदी से दिनभर कई चरणों में पूछताछ की। डीजी ईओडब्ल्यू डॉ .आरपी सिंह का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ में कई ठोस साक्ष्य हाथ लगे हैं।

डीएचएफएल ने कहा है कि बांबे हाई कोर्ट की ओर से रोक लगाए जाने तक वह समस्त फिक्स्ड डिपॉजिट के परिपक्व होने पर सभी भुगतान समय से कर रही थी। कंपनी ने दिसंबर 2019 तक परिपक्व होने वाले सभी फिक्स्ड डिपाजिट के भुगतान के लिए अपने कैश फ्लो में इसके लिए प्राविधान किया था। डीएचएफएल अपने फिक्स्ड डिपॉजिटधारकों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील है। अपने फिक्स्ड डिपॉजिटधारकों को भुगतान की वह हर मुमकिन कोशिश कर रही है। कंपनी का यह प्रयास है कि यूपीपीसीएल सीपीएफ ट्रस्ट और उप्र स्टेट पावर सेक्टर इम्प्लाईज ट्रस्ट समेत उसके किसी फिक्स्ड डिपॉजिट धारकों को कोई असुविधा न होने पाए।

कंपनी ने यह भी कहा है कि यूपीपीसीएल सीपीएफ ट्रस्ट और उप्र स्टेट पावर सेक्टर इंप्लाईज ट्रस्ट से 4132 करोड़ रुपये के डिपाजिट लेने में 536 फिक्स्ड डिपॉजिट को स्वीकार करने की सभी शर्तों का पालन किया गया है। कंपनी के मुताबिक परिपक्वता पर उसने 208 करोड़ रुपये सहित 2072 करोड़ कॉरपोरेशन को समय से वापस कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में हटाए गए प्रमुख ऊर्जा सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: भविष्य निधि घोटाले में पावर कॉरपोरेशन की एमडी को हटाए जाने के बाद राज्य सरकार ने अब प्रमुख सचिव ऊर्जा और अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन आलोक कुमार को भी हटा दिया है। कॉरपोरेशन के अध्यक्ष होने के नाते आलोक को भी घोटाले के लिए जिम्मेदार मानते हुए बिजलीकर्मियों द्वारा आंदोलन किया जा रहा था। मामले को लेकर विपक्षी पार्टियां भी सरकार पर लगातार दबाव बनाए हुए हैं।

आलोक को हटाए जाने के साथ ही शुक्रवार को शासन ने एक पीसीएस और चार अन्य आइएएस अफसरों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया। आलोक कुमार को अब अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास का प्रमुख सचिव बनाया गया है। अरविंद कुमार को प्रमुख सचिव ऊर्जा और अध्यक्ष पावर कारपोरेशन का दायित्व सौंपा गया है। उधर, अयोध्या मंडल में आइएएस अफसर महेंद्र प्रसाद अग्रवाल को विशेष कार्याधिकारी के पद पर भेजा गया है। संकेत है कि 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे अयोध्या के कमिश्नर मनोज मिश्र के स्थान पर उन्हें तैनाती दी जाएगी।